



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं. 314] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 10, 1990/अग्रहायण 19, 1912

No. 314] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 10, 1990/AGRAHAYANA 19, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में
रहा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

वाणिज्य मंत्रालय

(आग्रान व्यापार नियंत्रण)

मार्वजनिक सूचना में 103-शाही नीति (पी.एन) / 90-93

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1990

विषय :— आग्रान और नियंत्रण नीति, 1990-93 (खण्ड-1)।

फा. मं. 6/1/90-टीपीमी :—वाणिज्य मंत्रालय की मार्वजनिक सूचना में, 1 आई टी मी (पी.एन) / 90-93 दिनाक 30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत प्रकाशित यथासंबोधित आग्रान-नियंत्रण नीति 1990-93 (खण्ड-1) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

2. उक्त नीति में निम्नलिखित संशोधन नीति उल्लिखित उचित रथानों पर किए जाएँगे :—

क्रम	आग्रान-नियंत्रण नीति में 1990-93 (खण्ड-1) की पूर्ण सं	संख्या	संशोधन
1	2	3	4

(1)	61	अध्याय-15 पंजीकृत नियंत्रिकों के लिए शीजूदा उप वैग 197 (1), नीथी पंक्ति में “पूंजीगत माल” शब्दों को संशोधित करके “नए पंजीगत माल” लिया जाएगा।
-----	----	--

1 2

3

4

(2) 61 अध्याय-15 पंजीकृत निर्यातकों के लिए मौजूदा उप पैरा 197 (2) को निम्नानुभार संशोधना की जाएगा :—

"(2) उपर्युक्त मुद्राधिकार उन पंजीकृत निर्यातकों को उपलब्ध होगी जो कम से कम तीन वर्ष की अवधि में नियमित रूप से निर्यात कर रहे हैं। आवेदक को ग्राम्यात के लिए अनुमित पूंजीगत माल के मूल्य तीन गुना के ब्रावोर निर्यात आभार का बचन देना होगा और इस वायित्व को पूंजीगत माल के ग्राम्यात की तारीख से चार वर्ष की अवधि के भीतर पूरा करना होगा। यह निर्यात वायिन्व आवेदक द्वारा अनुगम से लिए गए अन्य दायित्वों से मुक्त होगा और उसके द्वारा या तो विलेन तीन लाखमेसिंग वर्षों में ये सर्वोत्तम वर्षों के दौरान किए गए निर्यात के वार्षिक औसत मूल्य इनमें जो भी अधिक हो, के अनिरिक्त होगा, केवल ग्राम्यात के लिए अनुमित पूंजीगत माल के माध्यम में विनियमित उन्पदाओं के सीधे नियतियों को ही निर्यात दायित्वों को पूरा करने के लिए हिसाब में लिया जाएगा। इस योजना के अन्तर्गत तीसरी पार्टी द्वारा किए गए निर्यात की स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके अलावा इस योजना के अन्तर्गत भाने गए निर्यात न तो आवेदक की पात्रता के लिए और न ही नियर्यात दायित्वों को पूरा करने के लिए हिसाब में लिए जाएंगे।"

(3) 61 अध्याय-15 पंजीकृत निर्यातकों के लिए मौजूदा उप पैरा (3) और (4) हटा दिए जाएंगे। आयात नीति

उप पैरा 197 (3) और (4)

(4) 61 अध्याय-15 पंजीकृत निर्यातकों के लिए मौजूदा उप पैरा 197 (5क) को निम्नानुभार संशोधित किया जाएगा।

उप पैरा 197 (5क)

"(5क) योजना के अन्तर्गत (1) लाइमेसिंग वर्ष के दौरान हितीय अथवा इसके बाद में वायिल किए गए आवेदन अथवा (2) लाइमेसिंग वर्ष के दौरान 10 करोड़ रुपये में अधिक मूल्य के पूंजीगत माल के ग्राम्यात के लिए आवेदनों पर भी गुणदोष के आधार पर ऐसी शर्तों के अधीन विचार किया जाएगा जो कि सरकार द्वारा निर्धारित की गई हो।"

3. वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक मूच्चना भं. 2-आई टी भी (पीएन) / 90-93 दिनांक 30 मार्च, 1990 के अन्तर्गत यथा-संशोधित प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड-1) की ओर भी ध्यान शाक्तिपूर्ति किया जाता है। उन्हें प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन नीचे उपलब्ध स्थानों पर किए जाएँगे :—

क्रम	प्रक्रिया पुस्तक	मन्दर्भ	संशोधन
सं०			
	प्रक्रिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड-1) का पृष्ठ संख्या		
1	2	3	4
(1)	65	अध्याय-15 पंजीकृत नियातक उप पैरा मौजूदा उप पैरा 314(क) 2(12) को हटा दिया 314 (क) 2(12)	जाएगा।
(2)	65	अध्याय-15 पंजीकृत नियातक उप पैरा मौजूदा उप पैरा 314 (क) 3 को नीचे दिए गए अनु- मार संशोधित किया जाएगा :—	
(3)	65	अध्याय-15 पंजीकृत नियातक उप पैरा 314(क) 4	“आवेदक पत्रों पर मुख्य नियन्त्रक आयात-नियात और/ अथवा सरकार” की अध्यक्षता में अन्तर मंत्रालय समिति द्वारा विचार किया जाएगा। यदि समिति सरकार अनुमोदन करेगी तो पंजीगत मुख्य नियन्त्रक आयात-नियात के कार्यालय उद्योग भवन, नई दिल्ली में पंजीगत माल प्रभाग द्वारा ऐसी अतिरिक्त शर्तों को पूरा करने पर जो लाइसेंस जारी किया जाएगा” जो समिति सरकार द्वारा निर्धारित की गई हों। मौजूदा उप पैरा 314(क) 4 को निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा :—

“(4) सीमाशुल्क के माध्यम से माल की निकासी कराने से पूर्व आयातक को संशोधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी अथवा मुख्य नियन्त्रक आयात-नियात का कार्यालय उद्योग भवन, नई दिल्ली में नियात आभार सेल के साथ नियात आभारों को पूरा करने के लिए क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बन्धपत्र निष्पादित करना होगा।

यदि बंधपत्र संवधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी के साथ निष्पादित किया गया हो तो वह भवीकृति के बाद मूल दस्तावेजों को नियात दायित्व कक्ष, मुख्य नियन्त्रक आयात-नियात का कार्यालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली को हस्तान्तरित कर देंगे जहां नियातक दायित्व को पूरा करने में हुई प्रगति का अनश्वरण किया जाएगा। नियात दायित्व आयात किए गए पंजीगत माल के लागत विस्तार भाष्ट मूल्य के तिगने के बगाबर होगा यह नियात दायित्व आवेदक द्वारा दृश्य स्पष्ट से अपनाए गए किसी अन्य दायित्व से मुक्त होगा तथा यह या तो पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों में विगत दो वर्षों के दौरान उसके द्वारा किए गए नियोजितों के औपर वार्षिक मूल्य के अतिरिक्त या पिछले तीन लाइसेंसिंग वर्षों के दौरान उसके द्वारा किए गए नियोजितों का औपर वार्षिक मूल्य, इनमें जो भी अधिक हो, होगा। वैकं गारंटी की धनराशि इस

(1)

(2)

(3)

(4)

4. 65

प्रध्याय 15 पंजीकृत नियांतक उप-
पैरा 314(क) 5(2)

5. 554

परिशिष्ट-15-उ

योजना के अन्तर्गत संचित किए गए शुल्कों के कुल मूल्य के बराबर होगी। इसके अतिरिक्त पंजीगत माल के निपटारे के समय आयातक के लिए ऐसी जानकारी/घोषणा प्रस्तुत करना ही ज़रूरी होगा जो कि सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा अपेक्षित हों।"

वर्तमान उप-पैरा 314 (क) 5(2) को हटा दिया जाएगा।

(क) विद्यमान क्रम सं. 6क को निम्नानुसार मंशोधित किया जाएगा :—

"6क. पहले से ही आयातित पूर्जीगत माल/निर्यात दायित्व महित पूर्जीगत माल के हस्तगत लाइसेंस/सूचना सामन्य लाइसेंस अथवा किसी अन्य योजना के अन्तर्गत नियांत दायित्व की भाँति पर आयात किए जा रहे पूर्जीगत माल/आशंक्य पत्र/औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण-पत्र/विदेशी महर्योग करार दृश्यादि पर नागृ होने वाले नियांत दायित्व तथा उसकी अद्यतन स्थिति का व्यौरा प्रस्तुत करें।

(ख) विद्यमान क्रम सं. 13 (क) को निम्नानुसार मंशोधित किया जाएगा :—

(क) (i) आयात किए जाने वाले पूर्जीगत माल का विस्तृत विवरण जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित सूचनाएँ जाए (1) क्षमताओं सहित पूर्ण विशिष्ट-नाएँ।

(2) स्पेचस और सहायक उपकरण

(3) (क) जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य तथा

(ख) लागत वीमा भाड़ा मूल्य का साप्ततीमें उल्लेख करते हुए विदेशी मुद्रा में मूल्य का दुआरा व्यौरा (कृपया मुद्रा सेट के साथ इस सूचना की छ: प्रतियाँ और बाकी दस सेटों की एक-एक प्रति भी संलग्न करें। विवरण नथा मूल्य सहित पूर्वांकन व्यौरे वीजक प्रपत्र में निविष्ट विवरण तथा मूल्य के समान होने चाहिए।)

(2) उत्थापन, संचालन, प्रतिष्ठापन, पर्यवेक्षण, प्रशिक्षण प्रभार, जानकारी तथा तकनीकी शुल्क, यदि कोई हो।

(3) भारतीय अधिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, यदि हां तो क्या भुगतान भारतीय शपथ में किया जाएगा ?

(4) विदेशी अधिकर्ता का प्रभार, यदि कोई हो।

(ग) विद्यमान क्रम सं. 10 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“15 ए. इस स्कीम के अन्तर्गत क्या यह पहला या बाद का आवेदन है। यदि यह पहला आवेदन नहीं है तो स्कीम के अन्तर्गत प्रस्तुत किये गये सभी आवेदनों में आवेदन का मूल्य और निर्धारित किए गए नियांत दायित्व के मूल्य सहित सभी छाँटे दें। बृप्तया लाइसेंस मंज्या और फाइल संख्या यदि कोई हो तो, वह भी लिखें।

(घ) मौजूदा क्रम सं. 17(घ) (ब्र) में निम्नानुसार मंशोधन किया जाएगा :—

“(ख) पिछले तीन लाइसेंस वर्षों में दो सर्वोत्तम वर्षों के दौरान वार्षिक औसत नियांत मूल्य या पिछले तीन लाइसेंस वर्षों के दौरान वार्षिक औसत नियांत मूल्य, जो भी ज्यादा हो, पर आधारित नियांत मूल्य बतायें।

(ङ) मौजूदा क्रम सं. 18 को निकाल दिया जाएगा।

(च) मौजूदा क्रम सं. 19 में निम्नानुसार मंशोधन किया जाएगा :—

“19. निदेशक, पार्टनर, प्रोफराइटर या कर्ता, जैसी भी विधिनि हो, का नाम और पता।”

(छ) मौजूदा घोषणा/बचन-पत्र सं. (1) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“(१क) मैं/हम एतद्वारा यह घोषित करता हूँ/करने हैं कि उपरोक्त बताये गये नियांत का मूल्य केवल हमारे वास्तविक प्रत्यक्ष नियांत को दर्शाता है, इस मूल्य में माना गया नियांत या तृतीय पथ नियांत मूल्य शामिल नहीं है।”

(ज) मौजूदा घोषणा/बचन पत्र सं. (3) में निम्नानुसार मंशोधन किया जाएगा :—

“(३) मैं/हम एतद्वारा आयातित मशीनरी के लागत बीमा मूल्य के तीन गुणा तक सीमाशुल्क की रियायती दर के अन्तर्गत पूंजीगत माल के आयात की स्कीम के तहत आयातित पूंजीगत माल में से निर्मित माल को नियांत करने का बचन देता हूँ/देते हैं। यह पिछले तीन लाइसेंस वर्षों में से सर्वोत्तम दो वर्षों के दौरान मेरे/हमारे द्वारा किए गए वार्षिक औसत नियांत मूल्य या पिछले तीन लाइसेंस वर्षों के दौरान मेरे/हमारे द्वारा किए गए वार्षिक औसत नियांत मूल्य जो भी ज्यादा हो, के अतिरिक्त होगा।”

1

2

3

4

(झ) मौजूदा घोषणावचन पत्र सं. (3) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

“(अ) मैं हम एवं द्वारा भारत सरकार द्वारा मेरे हमारे ऊपर आगे कीई भी लगाये गए नियंत्रित वायरल और/या शर्तों को पूरा करने का वचन देते हैं, देता है।”

4. उपर्युक्त संशोधन सार्वजनिक हित में किए गए हैं।

तजेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 103 ITC(PN)/90—93

New Delhi, the 10th December, 1990

Subject : Import & Export Policy, 1990—93 (Vol. I).

File No. 6/1/90-EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy, 1990—93 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/90—93 dated the 30th March, 1990 as amended.

2. The following amendments shall be made in the said policy at appropriate places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of the Import & Export Policy, 1990—93 (Vol. I)	Reference	Amendments
(1)	61	Chapter-XV Import Policy for Registered Exporters Sub-para 197(1) Fourth Line	In the existing sub-para 197(1), fourth line, the words “Capital Goods” shall be amended as “new Capital Goods”.
(2)	61	Chapter—XV Import Policy for Registered Exporters Sub-para 197(2)	The existing sub-para 197(2) shall be amended as under :— “(2) The above facility will be available to registered manufacturer-exporters, who have been regularly exporting for a period of not less than three years. The applicant will have to undertake an export obligation equivalent to three times the value of the Capital Goods permitted for Import and the obligation will have to be fulfilled within a period of four years from the date of

(1)	(2)	(3)	(4)
			import of the Capital Goods. This export obligation will be independent of any other obligations undertaken by the applicant separately and will be either over and above the annual average value of exports made by him during the best two years in the preceding three licensing years or the annual average value of exports made by him during the preceding three years; whichever is higher. Only direct exports of the products manufactured through the Capital Goods permitted for import shall be counted for fulfilment of the obligation. Third party exports will not be accepted under this scheme. Further, 'Deemed Exports' shall not be counted either for eligibility of the applicant or towards fulfilment of the export obligation under the scheme".
(3)	6	Chapter—XV Import Policy for Registered Exporters Sub-para 197(3) & (4)	The existing sub-paras (3) and (4) shall be deleted.
(4)	61	Chapter—XV Import Policy for Registered Exporters Sub-para 197(5A)	The existing sub-para 197(5A) shall be amended as under :— “(5A). Under the scheme, (i) the second subsequent applications filed within a licensing year, or (ii) applications for import of capital goods for a value exceeding Rs. 10 crores during the licensing year, may also be considered, on merits, subject to such conditions as may be prescribed by the Government”.

3. Attention is also invited to the Hand Book of Procedures, 1990—93 (Vol. I), published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC(PN)/90—93 dated 30th March, 1990 as amended. The following amendments shall be made in the said Hand Book at appropriate places indicated below :

Sl. No.	Page No. of Hand book of Procedures, 1990—93 (Vol. I)	Reference (3)	Amendments (4)
(1)	65	Chapter—XV Registered Exporters Sub-para 314(A)2(xii)	The existing sub-para 314(A)2(xii) shall be deleted.

1	2	3	4
(2)	65	Chapter—XV Registered Exporters Sub-para 314(A)3	The existing sub-para 314(A) 3 shall be amended as under :— “3. The applications will be considered by an Inter-Ministerial Committee headed by the Chief Controller of Imports & Exports, and/or the Government. If the Committee/Government approves, the licence will be issued by the C.G. Division in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhawan, New Delhi subject to such additional conditions, as may be prescribed by the Committee/Government”.
(3)	65	Chapter—XV Registered Exporters Sub-para 314(A)4	The existing sub-para 314(A) 4 shall be amended as under :— “4. Before clearance of goods through Customs, the importer shall execute an Indemnity-cum-Surety bond for fulfilment of the export obligations with the licensing authority concerned or the Export Obligation Cell (E.O.Cell) in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhawan, New Delhi. If the bond is executed with the licensing authority concerned, they will transfer the original documents, after acceptance, to the Export Obligation Cell, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhawan, New Delhi, who will monitor the progress made towards fulfilment of export obligation. The export obligation shall be equivalent to three times the c.i.f. value of the Capital Goods imported. This export obligation will be independent of any other obligations undertaken by the applicant separately and shall be either over and above the annual average value of exports made by him during the best two years in the preceding three licensing years or the annual average value of exports made by him during the preceding three licensing years, whichever is higher. The amount of bank guarantee shall be equivalent to the full value of the duties saved under this scheme. In addition, the importer at the time of clearance of the Capital Goods shall also be required to furnish such information/declaration as may be required by the customs authorities”.

(1)	(2)	(3)	(4)
(4)	65	Chapter—XV Registered Exporters Sub-para 314(A)5(ii)	The existing sub-para 314(A)5(ii) shall be deleted.
(5)	254	Appendix XV—M	<p>(A) The existing Sl. No. 6A shall be amended as under :—</p> <p>“6A. Furnish details of Capital goods already imported/C.G. licence in hand with export obligation/C.G. being imported with export obligation under OGL or any other scheme/export obligation imposed on Letter of Intent/Industrial licence/Registration certificate/foreign collaboration agreement etc. and its status up-to date.”</p> <p>(B) The existing Sl. No. 13(a) shall be amended as under :—</p> <p>“(a)(i) Detailed description of capital goods sought to be imported indicating (i) full specifications including capacities (ii) spares and accessories, (iii) itemwise break-up in value in foreign currency clearly indicating (a) f.o.b. value and (b) c.i.f. value. (Please also attach six copies of this information with the main set and one copy each with the remaining ten sets. The aforesaid details including description and value should tally with the description and value indicated in the proforma invoice.)</p> <p>(ii) Erection, commissioning, installation, supervision, training charges, know-how and technical fee; if any.</p> <p>(iii) Indian Agent's commission, if any. If so, whether the payment is in Indian Rupees.</p> <p>(iv) Foreign Agent's charges, if any.”</p> <p>(C) After the existing Sl. No. 15, the following shall be added :—</p> <p>“15A. Whether it is the first or the subsequent application under the scheme. In case it is not the first application, furnish full particulars of all the applications made under this scheme including the value of the application and the value of export obligation</p>

1

2

3

4

fixed. Please also indicate the licence No. and the file No., if any”.

(D) The existing Sl. No. 17(D)(b) shall be amended as under :—

“(b) Indicate the value of exports based upon either the annual average value of exports during the best two years in the preceding three licensing years or annual average value of exports during the preceding three licensing years, whichever is higher :—”

(E) The existing Sl. No. 18 shall be deleted.

(F) The existing S. No. 19 shall be amended as under :—

“19. Name and address of Directors, Partners, Proprietor or Karta, as the case may be.”

(G) After the existing declaration/undertaking No. (i), the following shall be added :—

“(a) I/We hereby declare that the value of exports indicated above reflects our direct physical exports only; such value does not include the deemed exports or the third party exports”.

(H) The existing Declaration/Undertaking No. (iii) shall be amended as under :—

“(iii) I/We hereby undertake to export the goods manufactured out of the capital goods imported under the scheme of Import of Capital Goods under concessional rate of customs duty upto three times the c.i.f. value of the imported machinery; this will be either over and above the annual average value of exports made by me/us during the best two years in the preceding three licensing years or the annual average value of exports made by us/me during the preceding three licensing years, whichever is higher”.

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

(I) After the existing declaration/under-taking No. (iii), the following shall be added :—

“(iiiia). I/We hereby further undertake to fulfil any further export obligation and/or conditions, which may be imposed by the Government on me/us.”

4. The above amendments have been made in public interest.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports

